

कार्यकारिणी संक्षेप

1.0 परियोजना का विवरण

1.1 परिचय:

मैसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड आदित्य बिरला समुह की प्रमुख कम्पनी है और यह भारत की सबसे बड़ी सीमेन्ट उत्पादित कम्पनी है जो कि 52 मिलियन टन प्रतिवर्ष तथा भारत के बाहर 3 मिलियन टन प्रतिवर्ष की उत्पादन क्षमता सहित विश्व रैंकिंग में 10वीं सबसे बड़ी कम्पनी है।

भारत में इसकी उत्पादित इकाईयों में 11 प्रस्तावित संयंत्र और 11 पिसाई इकाईयों के अलावा 4 बल्क टर्मिनल है। सभी संयंत्र ISO 9001 से प्रमाणित है। अल्ट्राटेक के गुजरात वाले संयंत्र में स्वयं की जैटी (कैप्टिव बर्थ) है, जिसका उपयोग निर्यात बाजार व मुम्बई के स्थानीय बाजार में किया जाता है।

वर्ष 2011 में, एओन हेविट ऐसोसियेट्स, आर.बी.एल समूह तथा फोरच्युन मैग्जीन द्वारा किये गये अध्ययन के अनुसार यह समूह विश्व में चौथे तथा एशिया पैसिफिक क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर था। हेविट इकनोमिक टाइम्स के अनुसार यह समूह भारत में सबसे अच्छा नियोक्ता एवं एशिया में शीर्ष 20 कम्पनियों में से चुना गया है।

यह समूह 25 देशों के अन्दर सीमेन्ट, एल्युमिनियम, फर्टिलाइजर्स, विस्कोस स्टेपल फाइबर, टैक्सटाइल्स, पेट्रोलियम रिफाइनिंग, टेलीकम्यूनिकेशन, इण्डस्ट्रीयल, कैमिकल्स, एवं आर्थिक सेवाएँ संचालित कर रहा है।

1.2 परियोजना का प्रकार

मैसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड (यूनिट हिरमी सीमेंट वर्क्स) का मौजूदा सीमेंट संयंत्र, क्लींकर 2.2 मिलियन टन प्रतिवर्ष, सीमेंट 2.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष, कैप्टिव पॉवर प्लांट (2 x 25 मेगावॉट) एवं डी.जी सेट (3 x 6 मेगावॉट) की उत्पादन क्षमता सहित ग्राम-हिरमी, तहसील-सीमगा, जिला - बालोदा बाजार - भाटापारा, छत्तीसगढ़ में स्थापित है।

अब कम्पनी द्वारा एकीकृत सीमेन्ट परियोजना, सीमेंट (2.75 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), क्लींकर (2.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), कैप्टिव पॉवर प्लांट (50 मेगावॉट से 100 मेगावॉट), डी.जी. सेट (18 मेगावॉट) एवं डब्ल्यू.एच.आर.बी. (15 मेगावॉट) का विस्तार ग्राम-हिरमी, तहसील-सीमगा जिला-बलोदा बाजार - भाटापारा (छत्तीसगढ़) में प्रस्तावित किया गया है।

पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14 सितम्बर 2006 के अनुसार यह परियोजना श्रेणी 'अ' और गतिविधि '3 बी' में आती है।

इस परियोजना का प्रथम तकनीकी प्रस्तुतीकरण (टी.ओ.आर स्वीकृत के लिए) विशेषज्ञ आंकलन समिति (ई.ए.सी) (उद्योग-1) के समक्ष दिनांक 27 जनवरी 2012 को दिया गया। ई.आई.ए./ई.एम.पी रिपोर्ट बनाने के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने पत्र क्रमांक जे-11011/586/2011-1A- II (I) दिनांक 14 फरवरी, 2012 द्वारा टर्म्स और रेफरेंस (टी.ओ.आर) जारी किये।

1.3 परियोजना की आवश्यकता

औद्योगिकरण विकास एवं रोजगार के लिए एक बेहतर तरीका है और साथ ही यह भारतीय बाजारों को आपस में जोड़ता है। आद्योगिकरण एवं आधारभूत संस्थान वृद्धि एक दूसरे के पर्याय है। आधारभूत संरचना विकास के लिए सीमेंट प्रमुख तत्व है। राज्य एवं थर्मल पावर प्लांट के लिए फ्लाई ऐश का निपटान एक पर्यावरणीय चिंता का विषय है। सीमेंट ग्राइंडिंग, विद्युत संयंत्रों से उत्पन्न हो रही फ्लाई ऐश को तीस प्रतिशत तक उपयोग कर सकता है और इस तरह पर्यावरणीय चिंता कम हो सकती है।

हिरमी सिमेन्ट वर्क्स का क्षेत्र में एक मौजूदा सीमेंट संयंत्र है, जो कि बड़ी मात्रा में फ्लाई ऐश अवशोषित करते हुए पर्यावरण के अनुकूल एक उत्पादन सुविधा साबित हुआ है। इसलिए सीमेन्ट की बढ़ती मांग को देखते हुए अल्ट्राटेक सीमेन्ट लिमिटेड ने एकीकृत सीमेन्ट परियोजना, सीमेंट (2.75 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), क्लींकर (2.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), कैप्टिव पॉवर प्लांट (50 मेगावॉट से 100 मेगावॉट), डी.जी. सेट (18 मेगावॉट) एवं डब्ल्यू.एच.आर.बी. (15 मेगावॉट) का विस्तार ग्राम-हिरमी,

एकीकृत सीमेन्ट परियोजना का विस्तार-सीमेंट (2.75 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), क्लींकर (2.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), कैप्टिव पॉवर प्लांट (50 मेगावॉट से 100 मेगावॉट), डी.जी. सेट (18 मेगावॉट से 30 मेगावॉट) एवं डब्ल्यू एच.आर.बी.(15 मेगावॉट) ग्राम-हिरमी, तहसील-सीमगा जिला-बलोदा बाजार - भाटापारा (छत्तीसगढ़)

ई.आई.ए /ई. एम. पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप

तहसील-सीमगा जिला-बलोदा बाजार - भाटापारा (छत्तीसगढ़) में प्रस्तावित किया गया है।

1.4 परियोजना का विस्तृत विवरण

सारणी-1

परियोजना का विस्तृत विवरण

क्र.सं.	विशेष	विवरण
A.	परियोजना की प्रकृति एवं आकार	एकीकृत सीमेन्ट परियोजना - सीमेंट (2.75 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), क्लींकर (2.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), कैप्टिव पॉवर प्लांट (50 मेगावॉट से 100 मेगावॉट), डी.जी. सेट (18 मेगावॉट) एवं डब्ल्यू.एच.आर.बी. (15 मेगावॉट)
B.	स्थान का विवरण	
1.	ग्राम	हिरमी
2.	तहसील	सीमगा
3.	जिला	बालोदा बाजार-भाटापारा
4.	राज्य	छत्तीसगढ़
5.	आक्षांश	21°32'21.51''-21°32'55.07''उत्तर
6.	देशान्तर	81°56'31.14''-81°57'27.56'' पूर्व
7.	टोपोशीट संख्या	64G/14, 64G/15, 64K/2, 64 K/3
C.	क्षेत्र विवरण	<ul style="list-style-type: none"> ➤ कुल परियोजना क्षेत्र, संयंत्र एवं कॉलोनी सहित 170 हैक्टेयर है। ➤ प्रस्तावित विस्तार संयंत्र परिसर के भीतर किया जाएगा। ➤ ग्रीन बेल्ट के विकास के लिए अतिरिक्त 25 हैक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जायेगा।
D.	पर्यावरणीय विवरण (संयंत्र से लगभग दूरी एवं दिशा के साथ)	
1.	निकटतम राष्ट्रीय राजमार्ग	<ul style="list-style-type: none"> ➤ एन.एच 12 A (लगभग 26 कि. मी. पश्चिम - उत्तर - पश्चिम दिशा में) ➤ एन. एच. 200 (लगभग 23.6 कि.मी. उत्तर - पश्चिम दिशा में)
2.	निकटतम रेलवे स्टेशन	तिलड़ा (लगभग 17 कि. मी. पश्चिम दिशा में)

एकीकृत सीमेन्ट परियोजना का विस्तार-सीमेंट (2.75 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), क्लीकर (2.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), कैप्टिव पावर प्लांट (60 मेगावॉट से 100 मेगावॉट), डी.जी. सेट (18 मेगावॉट से 30 मेगावॉट) एवं डब्ल्यू एच.आर.बी.(15 मेगावॉट) ग्राम-हिरमी, तहसील-सीमगा जिला-बलोदा बाजार - भाटापारा (छत्तीसगढ़)

ई.आई.ए /ई. एम. पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप

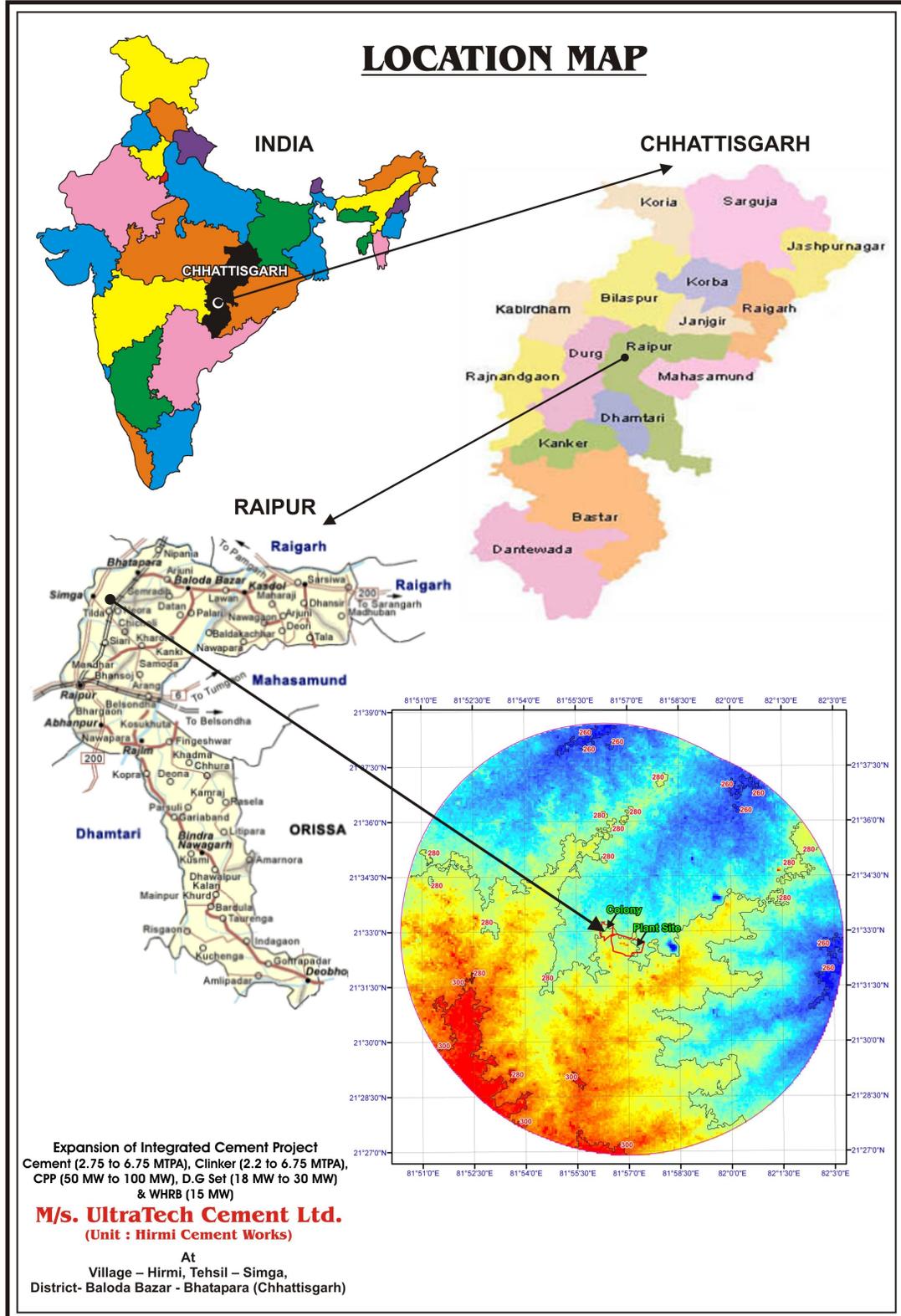
3.	निकटतम हवाई अड्डा	रायपुर हवाई अड्डा (लगभग 44 कि.मी. दक्षिण-पश्चिम दिशा में)
4.	निकटतम कस्बा/शहर	रायपुर (लगभग 47 कि. मी. दक्षिण - पश्चिम दिशा में)
5.	परिस्थितिक संवेदनशील क्षेत्र (राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव, अभ्यारण, जैविक भण्डार, टाइगर रिजर्व, वन्य जीव, कॉरिडोर) 10 कि. मी. त्रिज्या में	अध्ययन क्षेत्र के 10 कि. मी. त्रिज्या में कोई राष्ट्रीय उद्यान अभ्यारण, जैविक भण्डार, टाइगर रिजर्व, वन्य जीव कॉरिडोर नहीं है।
6.	आरक्षित/संरक्षित वन (10 कि. मी. त्रिज्या में)	संयंत्र स्थल के 10 कि. मी. त्रिज्या में कोई आरक्षित/संरक्षित वन नहीं हैं।
7.	नदी/जल निकाय (10 कि. मी. त्रिज्या में)	<ul style="list-style-type: none"> ➤ बनजारी नाला (लगभग 2.2 कि. मी. उत्तर - पश्चिम दिशा में) ➤ जमुनिया नदी (लगभग 9.5 कि. मी. उत्तर - पश्चिम दिशा में) ➤ कुम्हारी सिचाई नहर (लगभग 4.5 कि.मी. उत्तर - पश्चिम दिशा में) ➤ मानपुर जलाशय (लगभग 5.6 कि.मी. पश्चिम - उत्तर - पश्चिम दिशा में) ➤ कुम्हारी जलाशय (लगभग 6.3 कि. मी. दक्षिण-पश्चिम दिशा में) ➤ महानदी नहर (लगभग 2.9 कि. मी. दक्षिण - पूर्व दिशा में)
8.	भूकम्पीय क्षेत्र	क्षेत्र-II (आई.एस. 1893(पार्ट-1) 2002 के अनुसार
E.	लागत विवरण	
1.	कुल परियोजना लागत	2000 करोड़
2.	पर्यावरण संरक्षण उपायों के लिए लागत	कुल लागत-90 करोड़ रुपये आवर्ती लागत-3.5 करोड़ प्रतिवर्ष

स्रोत-प्री फिजीबीलिटी रिपोर्ट

एकीकृत सीमेन्ट परियोजना का विस्तार-सीमेंट (2.75 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), क्लींकर (2.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), कैप्टिव पावर प्लांट (50 मेगावॉट से 100 मेगावॉट), डी.जी. सेट (18 मेगावॉट से 30 मेगावॉट) एवं डब्ल्यू एच.आर.बी.(15 मेगावॉट) ग्राम-हिरमी, तहसील-सीमगा जिला-बलोदा बाजार - भाटापारा (छत्तीसगढ़)

ई.आई.ए /ई. एम. पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप

1.5 लोकेशन मैप



एकीकृत सीमेन्ट परियोजना का विस्तार-सीमेंट (2.75 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), क्लींकर (2.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष), कैप्टिव पावर प्लांट (60 मेगावॉट से 100 मेगावॉट), डी.जी. सेट (18 मेगावॉट से 30 मेगावॉट) एवं डब्ल्यू एच.आर.बी.(15 मेगावॉट) ग्राम-हिरमी, तहसील-सीमगा जिला-बलोदा बाजार - भाटापारा (छत्तीसगढ़)

ई.आई.ए / ई. एम. पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप

1.6 प्रस्तावित परियोजना के लिए आवश्यकताएं

1.6.1 कच्चे माल की आवश्यकता

सारणी-2

क्र. सं.	कच्चे माल का विवरण	मात्रा (मिलियन टन प्रतिवर्ष)			स्रोत	यातायात प्रणाली	प्रतिदिन यात्राओं की संख्या	दूरी कि. मी.
		मौजूदा (लाइन I)	प्रस्तावित (लाइन II)	कुल				
1.	चूना पत्थर	4.0	6.0	10.0	कैप्टिव चूना पत्थर खान(मौजूदा एवं प्रस्तावित)	कवर्ड कन्वेयर बेल्ट	—	—
2.	लैटेराइट / आइरन ओर / फ्लू डस्ट	0.04	0.06	0.1	ओपन मार्केट	सड़क द्वारा	10	120
3.	जिप्सम	0.148	0.22	0.368	फर्टिलाइजर प्लांट और जिप्सम खान	रेल	4 रेक्स प्रतिमाह	600
4.	फलाई ऐश	0.62	1.2	1.82	कैप्टिव पावर प्लांट / निकटतम क्षेत्र के थर्मल पावर प्लांट	सड़क	20	100

स्रोत-प्रो फिजीबीलिटी रिपोर्ट

ईंधन की आवश्यकता

क्र. सं.	नाम	मात्रा (मिलियन टन प्रतिवर्ष)		स्रोत	दूरी एवं यातायात प्रणाली	प्रतिदिन यात्राओं की संख्या एवं लदान क्षमता	कैलोरीफिक वेल्यु (कि. कैलोरी / किलो)	ऐश %	सल्फर %
		मौजूदा	प्रस्तावित						
1	कोयला	0.44	0.66	ओपन मार्केट / लिंकेज	320 / 200 कि.मी. रेल व सड़क द्वारा	8 रेक्स प्रतिमाह एवं 740 ट्रक्स प्रतिमाह	5100 से 5300	29 से 32	0.5 से 0.6

1.6.2 अन्य आवश्यकताएँ

सारिणी-3

क्र.सं.	उपयोगिता	आवश्यकता		स्रोत
		मौजूदा	प्रस्तावित	
1.	बिजली	मौजूदा 40.1 मैगावाट	54 मैगावाट	कैप्टिव पॉवर प्लांट और डब्ल्यू.एच.आर.बी
2.	जल	3640 घन मी. /दिन	3400 घन मी. /दिन	भू-जल और माइन्स सम्प
3.	श्रम शक्ति	413 व्यक्ति	160 व्यक्ति	अकुशल एवं अर्द्ध-कुशल जनशक्ति - स्थानीय क्षेत्र कुशल जनशक्ति - बाहरी क्षेत्र

1.6.3 प्रक्रिया वर्णन-

सीमेंट संयंत्र, सीमेन्ट उत्पादन के लिए प्री-हिटिंग एवं प्री-कैल्सीनर टैक्नोलॉजी के साथ शुष्क प्रक्रिया पर आधारित होगा।

दो प्रकार का सीमेंट - आर्डिनरी पोर्टलेण्ड सिमेन्ट एवं पोर्टलैण्ड पोजोलोना सीमेन्ट उत्पादित होगा।

सीमेन्ट उत्पादन के लिए मुख्य चरण निम्नलिखित हैं।

- कैप्टिव चूना पत्थर खान से सीमेन्ट संयंत्र तक चूना पत्थर का परिवहन
- कच्चे माल की तैयारी
- कच्चे माल का मिश्रण
- कोयले की तैयारी
- कैल्सीनेशन एवं क्लिंकराइजेशन
- क्लींकर ग्राइंडिंग
- सीमेन्ट की पैकिंग एवं प्रेषण

2.0 पर्यावरण का विवरण

2.1 परिणामों की प्रस्तुति (वायु, ध्वनि, जल एवं मृदा)

अध्ययन क्षेत्र का आधारभूत अध्ययन ग्रीष्मकाल 2012 के दौरान किया गया। PM_{10} की सान्द्रता सभी 8 सैम्पलिंग स्थानों पर 43.62 से 78.20 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर, और $PM_{2.5}$ की सान्द्रता 15.24 से 34.90 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर, SO_2 की सान्द्रता 6.21 से 12.45 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर और NO_2 की सान्द्रता 10.23 से 22.42 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर तक पायी गई।

परियोजना स्तर के आस-पास के 8 स्थानों पर परिवेश ध्वनि के स्तर को मापा गया। दिन के समय के दौरान ध्वनि स्तर 46.96 से 66.34 ली.डी.बी. (अ) मापा गया और रात के समय के दौरान ध्वनि स्तर 37.58 से 53.14 ली.डी.बी. (अ) मापा गया।

सभी 8 सैम्पलिंग स्थानों पर भू-जल विश्लेषण यह दर्शाता है कि पी.एच. pH 7.48 से 8.42 तक है, टोटल हाईनेस 72.05 से 288.00 मिलिग्राम प्रतिलीटर है एवं टोटल डिस्सोल्वड सोलिडस 260.00 से 473.00 मिलिग्राम प्रतिलीटर तक पाये गये।

मृदा विश्लेषण के परिणाम से यह ज्ञात हुआ कि मृदा हल्की अम्लीय से तटस्थ प्रकृति की है क्योंकि पी.एच. 6.24 से 7.08 तक है एवं मृदा संरचना में सिल्टी क्ले है। मृदा नमूने के अन्दर नाइट्रोजन की सान्द्रता अच्छी मात्रा में है जबकि फास्फोरस एवं पोटैशियम कम मात्रा में पाये गये हैं।

2.2 जैविक पर्यावरण

वनस्पति— सामान्यतः पाये जाने वाले पेड़-पौधों की जातियां इस प्रकार हैं— नीम (अजाडीराचटा इंडिका), शीशम (डेलबरजिया लेटीफोलिया), साल (सोरिया रोबुस्टा)

जामुन (सिजीयम क्युमिनी), अर्जुन (टर्मिनलीया अर्जुना), छोटा खजूर (फिनिक्स अकैलीस), आक (केलोट्रोपिस प्रोसिरा), नील (इण्डीगोफैरा पुलचीला), बेर (ज़िज़िफस मोरीटीआना), पीपल (फाइकस रिलिजिओसा), बठैर (अकेशिया कटेचु), आम (मैन्जीफेरा इंडिका)

जीव-जन्तु— अध्ययन क्षेत्र में पाये जाने वाले जीव जन्तु हैं— ब्लूरॉक पिजन (कोलुम्बा लिविया), हाऊस स्पैरो (पैसर डोमेस्टीक्स), सामान्य कौआ (कोरवस स्पलेन्डस) एशियाई

कोयल (यूडनेमस स्कोलोपोसिया), घरेलू चूहा (रेटस रेटस), जंगली बिल्ली (फेलिस चाउस), मोनिटर छिपकली (वेरेनस बेंगोलेनिसिस), हाउस गेको (हेमिडकटेलस फ्रीनेटस), भारतीय बुल मेढक (होपलोबेटरेकस टाइगरिनस)

2.3 सामाजिक आर्थिक पर्यावरण:

भारतीय जनसंख्या के अनुसार 10 कि. मी. त्रिज्या के क्षेत्र की कुल जनसंख्या 65026 है। अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या का 16.90% अनुसूचित जाति तथा 5.06% अनुसूचित जनजाति है। साक्षरता दर 70.75% है और कुल घरों की संख्या 13189 है।

3.0 सम्भावित पर्यावरण प्रभाव एवं न्यूनिकरण उपाय :-

- प्लांट प्रक्रिया से उत्पन्न होने वाले मुख्य उत्सर्जन पार्टिकुलेट मेटर, नाइट्रोजन के आक्साइड (NO₂) व सल्फर डाई आक्साइड (SO₂) है। पार्टिकुलेट मेटर उत्सर्जन स्तर को निर्धारित मापदण्डों से कम रखने के लिए क्लिन, कूलर, रॉमील, कोयला मील एवं सीमेन्ट मील के साथ उच्च क्षमता वाले इलेक्ट्रो स्टैटिक प्रेसीपिटेटर/बैग हाऊस लगाए जाएंगे।
- क्रशिंग व अन्य प्लांट प्रक्रियाओं द्वारा उत्पन्न हो रहे फ्युजिटिव उत्सर्जन पर नियंत्रण हेतु कच्चे माल एवं उत्पाद के लिए उचित आवृत भण्डारण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।
- सामग्री स्थानान्तरण बिन्दुओं पर उचित जल छिड़काव किया जाएगा एवं बैग फिल्टर्स लगाए जाएंगे।
- सीमेंट उत्पादन प्रक्रिया द्वारा कोई भी औद्योगिक दुषित जल उत्पन्न नहीं होगा।
- कैप्टिव पॉवर प्लांट से उत्सर्जित अपशिष्ट पदार्थ को सही तरीके से न्यूट्रलाइज करने के बाद डस्ट सप्रेसन में प्रयोग किया जाएगा।
- कार्यालय के शौचालयों एवं टाउन शिप से उत्पन्न घरेलू दूषित जल को सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट (एस.टी.पी) में उपचारित किया जाएगा एवं उपचारित जल का उपयोग हरित पट्टिका विकास हेतु किया जाएगा।
- सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट से स्लज के रूप से उत्पन्न ठोस अपशिष्ट का उपयोग हरित पट्टिका के विकास हेतु खाद के रूप में किया जाएगा।

- सीमेन्ट प्लांट में कार्यशील अवस्था के दौरान प्रोसेस फेन्स, कम्प्रेसर्स, मोटर्स, ग्राइडिंग मिल्स द्वारा ध्वनि उत्पन्न होगी। उच्च ध्वनि क्षेत्र में काम कर रहे व्यक्तियों को इयर प्लग उपलब्ध कराये जाएंगे।
- उच्च ध्वनि क्षेत्र में साइलेन्सर/एन्क्लोजर्स लगाए जाएंगे एवं वहाँ काम कर रहे व्यक्तियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण जैसे इयर प्लग और इयर मफ्स उपलब्ध कराये जाएंगे।

4.0 पश्च परियोजना पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम-

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा जारी एन्वायरमेंटल क्लीयरेन्स लेटर और एस.पी.सी.बी. द्वारा दी गई कन्सेन्ट टू ऑपरेट की शर्तों के अनुसार, पर्यावरण के विभिन्न घटकों के लिए पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम चलाया जाएगा। छः मासिक कम्प्लायन्स रिपोर्ट को 1 जून व 1 दिसम्बर को नियमित रूप से पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली में प्रस्तुत किया जाएगा। पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम, जो कि पर्यावरण के विभिन्न घटकों के लिए किया जाएगा, का विवरण निचे विस्तृत है।

क्र.सं.	विवरण	विश्लेषण की बारम्बारता
1.	मौसम संबंधी आकड़े	प्रतिदिन
2.	परियोजना क्षेत्र में व्यापकवायु गुणवत्ता	सप्ताह में दो बार
3.	चिमनी उत्सर्जन	सप्ताहिक
4.	जल गुणवत्ता	त्रैमासिक
5.	ध्वनि स्तर विश्लेषण	त्रैमासिक
6.	मृदा गुणवत्ता	त्रैमासिक
7.	स्वास्थ्य परीक्षण	फैक्ट्री नियम के अनुसार

5.0 अतिरिक्त अध्ययन

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के पत्र क्रमांक संख्या J-11011/586/2011- I A-II (I) दिनांक 14 फरवरी, 2012 द्वारा जारी किये गये टर्म्स ऑफ रेफरेन्स के अनुसार परियोजना के लिए अतिरिक्त अध्ययन में जलीय-भूवैज्ञानिक अध्ययन एवं वर्षाजल संरक्षण योजना एवं आपदा प्रबन्धन योजना सम्मिलित है।

6.0 परियोजना लाभ :-

प्रस्तावित विस्तार परियोजना, बाजार में सीमेन्ट की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगी अतः इससे देश के आर्थिक विकास में भी सहायता मिलेगी। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड समग्र क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास में सक्रिय है एवं स्थानीय लोगों के लाभ के लिए सामाजिक – आर्थिक विकास गतिविधियों का कार्य करेगा। आस-पास के गाँवों की आधारभूत संरचनाओं का विकास, शैक्षणिक सुविधाएँ सृजित करना, ग्रामिणों के लिए रोजगार, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम व शल्य चिकित्सा शिविर, क्षेत्र में सामाजिक वन्य कार्यक्रमों में सहभागिता आदि कुछ गतिविधियाँ सामाजिक विकास हेतु सी.एस.आर. प्लान के अन्तर्गत शामिल की जायेगी।

7.0 पर्यावरण प्रबन्धन योजना

सीमेन्ट संयंत्र में प्रदूषण का मुख्य स्रोत पार्टिकुलेट मैटर है। परियोजना गतिविधि के लिए प्रमुख रूप से वायु प्रदूषण चिंता का विषय है। परियोजना गतिविधि से कोई प्रमुख जल, ध्वनि और मृदा प्रदूषण उल्लेखित नहीं है। वायु जल, ध्वनि, मृदा एवं प्लांट व आस पास के क्षेत्र के ग्रीन कवर के संबन्ध में पर्यावरण की देखभाल हेतु विभिन्न प्रकार के शमन उपाय प्रस्तावित किये गये हैं।

7.1 वायु पर्यावरण

- प्रस्तावित लाइन-2 के वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत (क्लिन, रॉमील, कोयला मील, सीमेंट ग्राइडिंग व परिवहन) से पार्टिकुलेट मैटर उत्सर्जन के स्तर को सीमा के भीतर रखने के लिए बैग हाऊस, बैग फिल्टर व इलैक्ट्रो स्टैटिक प्रेसीपिटेटर उपलब्ध कराये जायेंगे।
- सभी लदान और उतराई स्थलों पर बैग फिल्टर उपलब्ध कराये जाएंगे।
- कोयला आवृत ट्रकों में ले जाया जाएगा।
- क्लिंकर आवृत क्लिंकर साइलों में एवं जिप्सम आवृत शेड में संग्रहित किया जाएगा।
- फलाई ऐश को साइलोस में संग्रहित किया जाएगा।
- हॉल रोड़ पर धूल दमन के लिए जल का छिड़काव किया जाएगा।
- वाहनों का नियमित रूप से उचित रख-रखाव किया जाएगा।

- सड़कों के किनारे एवं संयंत्र के आस-पास हरित पट्टिका का विकास धूल नियंत्रण बैरियर के रूप में किया जाएगा।
- केन्द्रिय प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड एवं राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के मानदंडों के अनुसार आवधिक वायु गुणवत्ता की निगरानी की जायेगी।

7.2 जल पर्यावरण

- सीमेंट निर्माण प्रक्रिया द्वारा कोई औद्योगिक दूषित जल उत्पन्न नहीं होगा।
- संयंत्र एवं कॉलोनी से उत्पन्न घरेलु दूषित जल को सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट में उपचारित किया जाएगा जिसका उपयोग हरित पट्टिका विकास व बागवानी गतिविधियों के लिए किया जायेगा।
- संयंत्र एवं कॉलोनी में वर्षा जल संग्रहण प्रणाली को विकसित किया जाएगा।

7.3 ध्वनि पर्यावरण

- इमारतों की दीवारों व छतों पर ध्वनि अवशोषित सामग्री लगाई जाएगी।
- डी.जी. सैट में साइलेंसर लगाया जाएगा।
- उच्च ध्वनि क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण जैसे-इयर प्लग व इयर मफ्स उपलब्ध कराये जाएंगे।
- थर्मल पावर प्लांट के टरबाइन व जनरेटर इमारत में ध्वनिक ध्वनि प्रूफ प्रणाली कराई जायेगी।
- संयंत्र और कॉलोनी क्षेत्र के भीतर पर्याप्त ग्रीन बेल्ट विकसित कि जा चुकी है एवं गया है प्रस्तावित विस्तार के लिए यही जारी रखा जाएगा।
- ध्वनि स्तर का नियमित रूप से विश्लेषण किया जाएगा एवं उनके अनुसार मशीनों के रख-रखाव के लिए उचित सुधारक उपाय अपनाये जाएंगे।

7.4 ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन

- सीमेंट निर्माण प्रक्रिया द्वारा कोई ठोस अपशिष्ट उत्पन्न नहीं होगा।
- वायु प्रदुषण नियंत्रण उपकरण द्वारा संग्रहित थूल को प्रक्रिया में पूर्ण रूप से पुनर्चक्रित किया जाएगा।
- सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट द्वारा उत्पन्न स्लज को पौधारोपण एवं हरित पट्टिका विकास के लिए खाद के रूप में उपयोग किया जाएगा।

- कैप्टिव पॉवर प्लांट से उत्पन्न फ्लाई ऐश को सीमेंट बनाने के लिए काम में लिया जाएगा।

7.5 हरित पट्टिका विकास/पौधारोपण

- धूल एवं ध्वनि प्रदुषण को कम करने के लिए व क्षेत्र की शोभा/छवि बढ़ाने के लिए, कुल संयंत्र क्षेत्र (170 हैक्टेयर, संयंत्र एवं कॉलोनी सहित) में से 46 हैक्टेयर पर हरित पट्टिका का विकास व पौधारोपण किया जा चुका है।
- अतिरिक्त 25 हैक्टेयर भूमि पर वृक्षारोपण किया जायेगा।
- वनीकरण कार्यक्रम के तहत, सड़क, कॉलोनी व संयंत्र के किनारों पर हरित पट्टिका विकसित की जा चुकी है।
- संयंत्र में व संयंत्र के चारों ओर वृक्षारोपण किया गया है।
- 80% उत्तरजीविता दर को बनाये रखने के लिये सभी संभव प्रयास किये गये हैं।
- समुचित विकास को प्रोत्साहित करने के लिए वृक्षों को उपयुक्त ग्रिड अन्तर पर लगाया गया है।
- स्थानीय प्रजातियों के पौधों को महत्वता दी गई है।
- प्रस्तावित विस्तार परियोजना के लिए भी यही अभ्यास बनाया रखा जायेगा एवं आगे बढ़ाया जायेगा।

7.6 सामाजिक – आर्थिक पर्यावरण:-

मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेन्ट लिमिटेड (यूनिट : हिरमी सीमेंट वर्क्स) डायरेक्ट और इनडाइरेक्ट रूप से अध्ययन क्षेत्र में बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। अल्ट्राटेक सीमेन्ट लिमिटेड द्वारा उत्पन्न सेवाएँ व रोजगार से स्थानीय लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इसके उपरोक्त प्रभाव से कर्मचारियों की खरीद क्षमता बढ़ेगी तथा इस प्रकार उच्च जीवन स्तर, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य विकास एवं स्वच्छता सुविधाएँ मिल सकेंगी। यह एक प्रमुख सकारात्मक लाभ के रूप में माना गया है।

